भारत की माननीय राष्ट्रपति, श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का

भारत स्काउट्स और गाइड्स

के 18वें राष्ट्रीय जम्बूरी में संबोधन

राजस्थान, 4 जनवरी, 2023

भारत स्काउट्स और गाइड्स के 18वें राष्ट्रीय जम्बूरी को संबोधित करते हुए मुझे हर्ष का अनुभव हो रहा है। मुझे बताया गया है कि आज देश भर से लगभग पैंतीस हजार स्काउट्स और गाइड्स यहां इकट्ठे हुए हैं। मैं यहां उपस्थित आप सभी लोगों का हार्दिक अभिवादन करती हूं और अन्य देशों के स्काउट्स और गाइड्स का भी स्वागत करती हूं। यहां बड़ी संख्या में आपकी उपस्थिति आपके आदर्श वाक्य "Be Prepared" के प्रति आपकी दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रमाण है। युवाओं के इस सम्मलेन में यह वाक्य नए साल में एक नए जोश और ऊर्जा भरने का काम करेगा। मैं आपको इस नए साल की बधाई देती हूं और इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए भारत स्काउट्स और गाइड्स की पूरी टीम की सराहना करती हूं।

स्काउट्स और गाइड्स जो भी काम करते हैं, पूरे दिल से करते हैं। इसीलिए, स्काउट्स और गाइड्स जब हाथ मिलाते हैं तो बायां हाथ बढ़ाते हैं। इसके पीछे यह गहरी सोच है कि हर इंसान का दिल बाईं तरफ ही होता है। देश के 63 लाख से अधिक स्काउट्स और गाइड्स पूरे दिल से काम करते हैं, यह हमारे देश के लिए बहुत ही खुशी की बात है, और गर्व की भी। यही नहीं, पूरी दुनिया में स्काउट्स और गाइड्स तन-मन-धन से दूसरे के हित में, समर्पण के भाव से काम कर रहे हैं। यह पूरी मानवता के लिए कल्याणकारी है। मैं चाहती हूं कि इंसानियत और मोहब्बत का यह जज्बा, सभी लोग इन बच्चों से सीखें और अपनी जिंदगी में ढालें।

मुझे बताया गया है कि वर्ष 1956 में जयपुर में मेजबानी करने के बाद आज लगभग 66 वर्षों के अंतराल के बाद राजस्थान, राष्ट्रीय जम्बूरी की मेजबानी कर रहा है। मुझे खुशी है कि यह जम्बूरी एक ऐसी भूमि पर

आयोजित हो रही है जो साहस और वीरता का प्रतीक है। मुझे इस बात की भी खुशी है कि सबसे अधिक संख्या में स्काउट्स राजस्थान से हैं। आप सभी इस राज्य के अतिथि-सत्कार और सांस्कृतिक विरासत का आनंद लें।

भारत स्काउट्स और गाइड्स का गौरवपूर्ण इतिहास है। लॉर्ड रॉबर्ट बैडेन-पॉवेल ने सेवा की भावना से युवाओं को प्रशिक्षित करने के महान उद्देश्य से यह कार्य शुरू किया। इस कार्य को भारत में आजादी से पहले ही मामूली संशोधन के साथ अपनाया गया। इसके प्रशंसकों में महात्मा गांधी और अन्य प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी शामिल थे। ब्रिटिश हुकूमत के दौरान, भारत में, इस अभियान से जुड़े कुछ पूर्वाग्रह थे, जो स्वतंत्रता के बाद समाप्त हो गए। आज़ाद भारत में, इस अभियान को धीरे-धीरे व्यापक रूप से स्वीकार किया गया।

मुझे यह जानकर खुशी हुई है कि आज भारत स्काउट्स और गाइड्स देश का सबसे बड़ा स्वैच्छिक, गैर-राजनीतिक, वर्दीधारी युवा संगठन और शैक्षिक आंदोलन है। यह पंथ, नस्ल या लिंग के किसी भेदभाव के बिना लड़कों और लड़कियों के चरित्र-निर्माण के लिए कार्य करता है। 63 लाख से अधिक स्काउट्स और गाइड्स की सदस्यता के साथ, भारत का यह संगठन विश्व के सबसे बड़े स्काउट्स और गाइड्स संगठनों में से एक है।

इस संगठन में बालिकाओं अर्थात गाइड्स की संख्या 24 लाख से अधिक है। यह एक अच्छी संख्या है जिसे और भी बढ़ाए जाने की जरूरत है। मैं, समाज और मानवता के कल्याण के लिए कठोर अनुशासन और आत्म-सुधार के इस मार्ग पर चलने के लिए सभी लड़कियों को विशेष रूप से बधाई देती हूं।

प्रिय स्काउट्स और गाइड्स,

स्काउट या गाइड के रूप में यात्रा शुरू करने से पहले आपने खुद से जो वादा किया है, उससे मैं विशेष रूप से प्रभावित हूं। क्योंकि आप व्यक्तिगत

लाभ के लिए नहीं, बल्कि समाज के सामूहिक कल्याण के लिए स्वयं को शारीरिक रूप से मजबूत, मानसिक रूप से जागृत और नैतिक रूप से सही रखने का वादा करते हैं। वास्तव में, आप एक पक्का वादा करते हैं जिसे आप भरोसे, निष्ठा, भाईचारे, विनम्रता, प्रकृति प्रेम, अनुशासन, साहस और मितव्ययिता के गुणों के साथ निभाने का प्रयास करते हैं। मैं इन सभी विशेषताओं को उच्च चेतना के रूप में देखती हूं जिसकी अनुभूति और पालन करना दुनिया को एक बेहतर जगह बनाते हैं।

आप एक समृद्ध विरासत के उत्तराधिकारी हैं। मानवाधिकार और समानता के पुरोधा, डॉ. मार्टिन लूथर किंग जूनियर, जिन्होंने नस्लवाद के विरूद्ध बहादुरी से लड़ाई लड़ी, एक स्काउट थे। तकनीक में क्रांति लाने वाले बिल गेट्स ने भी स्काउट के रूप में काम किया था। उनकी सेवाओं के लिए उन्हें अमेरिका में सर्वोच्च बॉय स्काउट सम्मान, सिल्वर बफ़ेलो से भी सम्मानित किया गया है। ऐसे अनेक उदाहरण हैं। उनकी सफलता का कारण, सार्वभौमिक मूल्य और लोकाचार हैं, जो आपका मार्गदर्शन करते हैं। मेरी आप सभी को सलाह है कि इसे आप मजबूरी न समझें। आप यहां जो सबक सीखते हैं, वे अनगिनत तरीकों से आपके जीवन को संवारेंगे। ये सभी गुण ऐसे हैं जो सभी को अपनाने चाहिए।

देवियो और सज्जनो,

कोविड-19 महामारी के दौरान भी, भारत स्काउट्स और गाइड्स ने समाज की सेवा करने में अनुकरणीय साहस दिखाया है। मुझे बताया गया है कि इन युवाओं ने अग्रिम पंक्ति के कोविड योद्धाओं के रूप में काम किया है। आपने सामाजिक दूरी बनाए रखने, क्वारंटाइन केंद्रों का प्रबंधन, isolation home और यातायात के साथ-साथ जरूरतमंदों को भोजन और अन्य आवश्यक आपूर्ति के वितरण में सहायता की। आप पूरे देश में कोविड टीकाकरण कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता पैदा करने में भी सहायक रहे हैं।

मेरे प्रिय स्काउट्स और गाइड्स,

जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न खतरा अपेक्षाकृत अधिक गंभीर है। बढ़ते तापमान, समुद्र के स्तर और मौसम की अनिश्चितताओं का प्रभाव काफी स्पष्ट है। इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, हमें सुधार के उपाय तत्काल करने होंगे। आप renewable energy को अपनाने के साथ-साथ carbon footprint को कम करके, और Sustainable Development Practices को बढ़ावा देते हुए जन-जागरण के इस प्रयास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

हमारे यहां हिमालय से लेकर पूरे देश में फैले वनों में पौधों और जीव-जंतुओं की प्रजातियों की व्यापक विविधता उपलब्ध है। एक स्काउट और गाइड के रूप में, यह आपका कर्तव्य है कि आप लोगों को bio-diversity की रक्षा करने, पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और responsible tourism practices को बढ़ावा देने के महत्व के बारे में शिक्षित करें।

विश्व में आज भारत एक युवा देश माना जाता है। युवाओं की यह सभा एक Mini Young India का प्रतीक है। आप राष्ट्र के भविष्य निर्माता हैं। यह आपकी ज़िम्मेदारी है कि आप भारत के भविष्य को सुंदर स्वरूप प्रदान करें। देश 'आजादी का अमृत महोत्सव' मना रहा है, और 'अमृत काल' में प्रवेश कर चुका है। मेरा आह्वान है कि आप सभी समाज और राष्ट्र के सामने आने वाली भविष्य की चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए बड़े लक्ष्य की ओर आगे बढ़ें। दुनिया तेज़ी से बदल रही है और आपको 'future-ready' रहना होगा।

भविष्य को संवारने के लिए पहली शर्त होती है, अपने आप पर भरोसा करना, और इस बात पर पूरा भरोसा करना कि हमारा भविष्य उज्ज्वल है। साथ ही, यह हौसला भी बनाए रखना होता है कि जो भी बाधाएं आएंगी, उन पर हम विजय प्राप्त करेंगे। मैंने विश्व के सबसे प्रसिद्ध स्काउट्स में से एक, मार्टिन लूथर किंग जूनियर का उल्लेख किया था। उनके नेतृत्व में एक

ऐतिहासिक Civil Rights Movement **हुआ था। उस** movement **के दौरान**, **जो गीत गाया जाता था**,**वह आज भी पूरी दुनिया में लोकप्रिय है। उस प्रेरक गीत की शुरुआत और अंत में लोग एक साथ गाते हैं:**

We shall overcome.

अर्थात्

हम होंगे कामयाब।

अपने मन में, **अपनी सफलता के प्रति पूरा विश्वास लेकर आप सभी स्काउट्स और गाइड्स आगे बढ़ें। मैं विश्वास दिलाती हूं कि कामयाबी आप सब के कदम चूमेगी।**

अंत में, मैं इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के आयोजकों, स्वयं-सेवकों और प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं देती हूं। स्काउट और गाइड अभियान फलता-फूलता रहे और भावी युवा पीढ़ियों को प्रेरित करता रहे। मैं आप सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूँ।

धन्यवाद,

जय हिन्द!

जय भारत!